Exam. Code: 1102
Sub. Code: 8059

1059

B. Ed. (General)-2nd Semester

F2.1/2.2 [Opt.(xix)]: Pedagogy of Sanskrit

(Same for USOL Candidates of 2nd Semester)

Time allowed: 3 Hours | Max. Marks: 40

नोट: — कुल पाँच प्रश्न करो। पहले चार भागों में एक–एक प्रश्न करें। पाँचवे भाग अनिवार्य है।

_*_*_*_

भाग–१

I. कविता शिक्षण का उद्देश्य क्या है? शिक्षक की इसकी पूर्ति के लिए क्या करना चाहिए।

अथवा

संस्कृत भाषा की उत्पत्ति और इसके व्याकरण दोषों पर प्रकाश डालिए। (8)

भाग–२

II. अपने विचारों में संस्कृत अध्यापक के गुणों को व्यक्त करें।

अथवा

शिक्षा में पठन कौशल का क्या महत्व है? इसकी विभिन्न विधियों का विवेचन करें। (8)

भाग–३

III. मूल्याकंन का क्या अर्थ है? मूल्याकंन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।

अथवा

दृश्य साधन कितने प्रकार के होते हैं? पठन की दृष्टि से इसका महत्व स्पष्ट करें। (8)

भाग–४

IV. (क) कोई दो श्लोक संस्कृत में लिखें।

(ख) कोई दो सूक्तियाँ संस्कृत में लिखें।

अथवा

कोई चार वाक्य शुद्ध करें:–

(क) देवं नम:।

(ख) उभयत: भारतस्य पाकिस्तान वतति।

(ग) अलं कोलाहलं।

(घ) ग्रामस्य सर्वत: वृक्षा: सन्ति।

(ड.) विद्यातयस्य परित: वृक्ष: सन्ति। (8)

भाग–५

V. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

(क) भाषा का अर्थ स्पष्ट करें।

(ख) मूल्याकंन के कोई दो प्रकार लिखें।

(ग) पुस्तकालय की व्यवस्था से क्या महत्व है?

(घ) दृश्य श्रव्य साधनों के नाम लिखें। (8)

_*_*_*_